एक नजर में
गुरु हमें जीवन में आगे बढ़ने की राह दिखाते हैं : डॉ. लिमये

झाबुआ। गुरूवार को स्थानीय अंकुरम इंटरनेशनल स्कूल में गुरु पूर्णिमा का महापर्व मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. रितेश लिमये ने दीप प्रज्जवलन कर माँ सरस्वती का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. लिमये ने छात्रों से कहा कि हमारी सर्वप्रथम गुरु हमारी माँ होती है। हमें प्रतिदिन सुबह अपने माता-पिता, दादा-दादी या जो भी घर में बड़े हैं उनके चरण स्पर्श करना चाहिए। जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा हमें हमारे शिक्षक देते है, इसलिए हमें शिक्षकों का मान-सम्मान करना चाहिए। हम जो भी काम करें, मन लगाकर करना चाहिए तभी हमें सफ्लता प्राप्त होती है। नृत्य शिक्षिका मालिनी त्रिवेदी के निर्देशन में कक्षा 7वीं की छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत कर गुरु के प्रति सम्मान व्यक्त किया। संगीत शिक्षक आकाश बारेशा के निर्देशन में नन्हे-मुन्ने छात्रों ने सुंदर गीत के माध्यम से गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा को व्यक्त किया। कुसाग्र डामोर ने हिंदी भाषा में और आर्या हरसोला ने अंग्रेजी भाषा में गुरु पूर्णिमा पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्रों ने सभी शिक्षकों को तिलक लगाकर चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। संस्था के प्री प्राइमरी सेक्शन के नन्हे-मुन्ने छात्र सर्वधर्म के गुरुओं की वेशभूषा धारण कर आए थे। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु भक्त आरुणि की कथा पर पपेट शो प्रस्तुत किया। प्री प्राइमरी की कक्षाओं में चरण पादुका की वर्कशीट पर फिंगरप्रिंट की गतिविधि करवाई गई। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन छात्र आरव गौतम व कृतिका यादव ने किया।

एक कदम पुस्तकालय की ओर कार्यक्रम का समापन

इंदौर. श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स एवं एनडीआईएल के संयुक्त तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बाल पुस्तकालय कार्यक्रम 'एक कदम पुस्तकालय की ओर' का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत, रचनात्मकता व सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहन देना था. प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. उन्होंने पुस्तकालय को बच्चों के समग्र विकास का माध्यम बताया. कार्यक्रम के अंतर्गत विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं. इसमें चित्रकला प्रतियोगिता, चेयर रेस, एक मिनट प्रतियोगिता, नींबू दौड़, पासिंग द पार्सल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई. समापन समारोह में विजयी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र व पुरस्कार वितरित किए गए. इस अवसर पर ग्रंथालय समिति के संयोजक डॉ. मनीष दुबे, ग्रंथपाल डॉ. संध्या पुरोहित, एनडीएलआई संयोजिका डॉ. साक्षी मोटवानी, डॉ. राकेश उपाध्याय व डॉ. ललित चौहान उपस्थित रहे. अंत में डॉ. साक्षी मोटवानी ने आभार व्यक्त किया.

मित्तल ट्रस्ट की ओर से पार्थिव शिवलिंग पूजन 17 को

इंदौर. श्रावण मास के उपलक्ष्य में नर्मदादेवी सांवलराम मित्तल धार्मिक एवं परमार्थिक ट्रस्ट के तत्वावधान में पिछले 23 वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार, 17 जुलाई को सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक तीर्थ स्थल ओंकारेश्वर में इंदौर के सैकड़ों समाजबंधु एवं श्रद्धालु आदिवासी समाज धर्मशाला पर 11 हजार पार्थिव शिवलिंग के निर्माण, दर्शन, पूजन एवं अभिषेक के अनुष्ठान में शामिल होंगे. अनुष्ठान के प्रमुख महेश मित्तल ने बताया कि आमंत्रित भक्तों के लिए कार्यक्रम स्थल पर सुबह स्वल्पाहार से लेकर देर रात तक भोजन एवं अन्य सुविधाओं के प्रबंध भी किए गए हैं.

बजाज फिन्सर्व एएमसी ने लॉन्च किया स्मॉल कैप फंड

इंदौर. बजाज फिन्सर्व एएमसी ने गुणवत्ता, विकास और मूल्य की पेशकश करने वाले बजाज फिन्सर्व स्मॉल कैप फंड, एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना जो मुख्य रूप से स्मॉल कैप स्टॉक में निवेश करता है, इसके शुरुआत की घोषणा की है. यह फंड सब्स्क्रिप्शन के लिए 11 जुलाई को बंद होगा. बजाज फिन्सर्व स्मॉल कैप फंड उन निवेशकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो मुख्य रूप से स्मॉल कैप कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी संबंधित साधनों में निवेश के माध्यम से दीर्घावधि संपत्ति बनाना चाहते हैं. इसकी शुरुआत पर गणेश मोहन, प्रबंध निदेशक, बजाज फिन्सर्व एएमसी ने कहा स्मॉल कैप फंड का शुभारंभ भारत के गतिशील स्मॉल कैप जगत की दीर्घकालिक क्षमता में हमारी गहरी आस्था को प्रदर्शित करता है. पारंपरिक रूप से स्मॉल कैप अन्य व्यापक सूचकांकों से अधिक अस्थिरता प्रदर्शित करते हैं, जो बाज़ार उतार-चढ़ाव से निपटने और गुणवत्तापूर्ण अवसरों को पहचानने में सक्रिय प्रबंधन के महत्व को रेखांकित करता है.

मॉनसून में आयुर्वेद डाइट अपनायें

इंदौर. मॉनसून में त्वचा बेजान हो जाती है और इसमें कोई ग्लो नहीं दिखता. लोग अक्सर बाहरी उपाय अपनाते हैं, जो थोड़ी देर राहत देते हैं, लेकिन बार-बार इस्तेमाल से दाने, काले धब्बे या खुजली हो सकती है. आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. मधुमिता कृष्णन सलाह देती हैं कि त्वचा और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक तरीके अपनाए. । वे कहती हैं कि स्वस्थ खाना खाएं और बादाम, हर्बल चाय और हल्दी जैसे प्राकृतिक चीजों को अपनी डाइट में शामिल करें। आयुर्वेद के मुताबिक, सही खानपान शरीर के तीन दोषों-वात, पित्त और कफ-को संतुलित करता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है, क्योंकि अच्छी त्वचा के लिए अच्छा पाचन जरूरी है. बादाम वात दोष को संतुलित करने की क्षमता रखते हैं. यह मौसम के असंतुलन को ठीक करते हैं और शरीर को मजबूती प्रदान करते हैं, जिससे सभी ऊतकों को ऊर्जा और ताजगी मिलती है. त्वचा के स्वास्थ्य के लिए, डॉ. मधुमिता रोजाना नाश्ते में बादाम शामिल करने की सलाह देती हैं ताकि स्वस्थ, चमकदार त्वचा मिले.

चातुर्मास आत्मा को जागृत करने आते है : श्रुत मुनि

इंदौर. चातुर्मास प्रारंभ के अवसर पर महावीर भवन इमली बाजार पर श्रावक-श्रविकाओं की बड़ी संख्या की उपस्थिति में उपप्रवर्तक श्रुतमुनि महाराज ने कहा कि यह चातुर्मास पर्व हमें वह संदेश दे रहे है कि हमें पाप कर्म को रोकना है और जो परमात्मा कि वाणी श्रवण करेगा उस आत्मा का कल्याण होगा. धर्मवाणी सुने बिना कल्याण संभव नहीं है पिछले आठ माह में जो पाप कर्म का बंध हो गया है वचन-वचन काया से पाप कर्म कि निर्जरा करना है. .यह चातुर्मास हमारी आत्मा को जागृत करने के लिये आते हैं. हमें हमारे जीवन को सार्थक करने के लिये चातुर्मास में जीनवाणी एवं धर्म आराधना में लग जाना है. धर्म प्रवचन प्रति दिन प्रात : 9 बजे से 10 तक होंगे. आज गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया जायेगा गुरु कि साधना होगी गुरु का जीवन में क्या महत्व है इस पर गुरुदेव प्रवचन देंगे. धर्म सभा का संचालन प्रकाश भटेवरा ने किया आभार हेमन्त वोरा ने माना. धर्म सभा में रमेश भंडारी, रखबचंद कोटावाले, विमल तांतेड़, जिनेष्वर जैन, राजकुमार पंजाबी, प्रकाश कोठारी, गजेंद्र बोड़ाना, गजेन्द्र तांतेड़, सुनिता छजलाणी, पुष्पा डागरिया, आजाद नारेलिया, शशी बोथरा, अशोक मंडलिक, पदम तांतेड़, आदि बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकायें उपस्थित थे। चोमासी चैवदस पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने सांयकाल प्रतिक्रमण का लाभ लिया.

कालीधर लापता ने जीता लोगों का दिल

इंदौर. कुछ फिल्में शोर करती हैं। कुछ फिल्में लोगों के दिलों, घरों और उनकी यादों में अपनी जगह बना लेती हैं. ज़ी5 की नई ओरिज़नल, कालीधर लापता एक ऐसी ही फिल्म है. इसकी सशक्त कहानी ने अपनी भावनात्मक गहराई और सच्चाई के साथ लोगों के दिलों में अपनी जगह बना ली है. कालीधर लापता के रिलीज़ होने के बाद ही इस फिल्म ने अपनी एक अलग जगह बना ली। इसे आईएमडीबी पर 8.3/10 की रेटिंग मिली है. दर्शकों ने इसे बहुत ही अच्छे रिव्यू दिए हैं। इस फिल्म की भावुक कहानी अभिषेक बच्चन पर केंद्रित है. कई लोगों का कहना है कि इस फिल्म में उन्होंने अपने जीवन की सबसे अच्छी परफॉर्मेंस दी है. उनके किरदार ने संयम, कोमलता और मौन शक्ति का बखूबी चित्रण किया है. आज के समय में जहाँ चीखते हुए भव्य किरदारों का बोलबाला है, वहीं अभिषेक का कालीधर बिल्कुल वास्तविक किरदार के रूप में सबसे अलग खड़ा हुआ है.

बिना गोली बिना दवाई के होगा जटिल रोगों का इलाज

छ : दिवसीय शिविर के पोस्टर का हुआ विमोचन

झाबुआ। सामाजिक महासंघ के तत्वाधान में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन एवं वरिष्ठ नागरिक फोरम के सहयोग से 6 दिवसीय विशाल प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन 15 जुलाई से बाढ़कुंआ रोड स्थित अंबा पैलेस पर किया जा रहा है जिसमें बिना गोली एवं बिना दवाई के जटिल बीमारियों का इलाज भी आसानी से हो सकेगा इसके लिए जोधपुर के सुप्रसिद्ध थैरेपिस्ट डॉ नरेंद्र चौधरी, लक्ष्मण सिंह एवं उनकी पूरी टीम झाबुआ आ रही है जिसकी तैयारी को लेकर बुधवार को उसके प्रचार पोस्टर का विमोचन शहर के सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी ने किया। सामाजिक महासंघ के अध्यक्ष नीरज राठौर एवं महासचिव उमंग सक्सेना ने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से जटिल से जटिल रोगों का इलाज करने के लिए जोधपुर के डॉक्टर छ: दिनों तक अपनी सेवाएं झाबुआ में प्रदान करेंगे एक्यूप्रेशर सुजोक एवं वाइब्रेशन प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली के माध्यम से झाबुआ एवं आसपास के लोगों का इलाज किया जाएगा इसको लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। इस प्राकृतिक चिकित्सा का आमजन में अधिक लगाव होने के कारण शिविर में आने वाले लोगों के लिए 6 दिन उपचार के लिए मात्र 100 रूपये पंजीयन शुल्क रखा गया है और यह भी पूरा शुल्क जोधपुर से पधार रहे डॉक्टरों की टीम को सेवाओं के बदले प्रदान किया जाएगा।

15 से 20 जुलाई तक चलेगा शिविर -प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित त्रिवेदी ने बताया कि यह प्राकृतिक चिकित्सा शिविर 15 से 20 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा शिविर रोजाना प्रात: 8 से दोपहर 12 बजे तक एवं सायंकाल 4 बजे से 7:30 बजे तक जारी रहेगा। शिविर में आने वाले मरीजों का पूर्व में पंजीयन किया जाएगा जिसकी शुरुआत 11 जुलाई से की जाएगी। कार्यक्रम स्थल पर भी पंजीयन की व्यवस्था रहेगी, जिन लोगों का पंजीयन किया जाएगा उन्हें 6 दिनों तक रोजाना आना अनिवार्य होगा ताकि उनकी पूरी बीमारी का इलाज आसानी से किया जा सके।

इन बीमारियों का किया जाएगा इलाज

महासंघ के मीडिया प्रभारी भूपेंद्रसिंह गौर ने बताया कि जोधपुर के प्रसिद्ध थैरेपिस्ट डॉ नरेंद्र चौधरी थैरेपिस्ट लक्ष्मणसिंह अपने साथ बड़ी टीम लेकर झाबुआ आ रहे हैं जिनके माध्यम से वह प्राकृतिक चिकित्सा से लोगों का इलाज करेंगे इसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, पेट दर्द, मोटापा, गैस कब्ज, कमर दर्द, साइटिका, लकवा, घुटना दर्द, हाथ पैर सुन्न होना, जोड़ों का दर्द, सांस की तकलीफ अनिद्रा, सर्वाइकल दर्द, एलर्जी नाक, कान, गला दर्द, माइग्रेन, चिकनगुनिया, पिंडली दर्द, दमा, बच्चों का बिस्तर गिला करना, स्त्री व पुरुष रोग आदि बीमारियों का बिना दवाई गोली के एक्यूप्रेशर सुजोक एवं वाइब्रेशन द्वारा सफ्ल इलाज करने का प्रयास किया जाएगा।

ठहरने व भोजन की रहेगी व्यवस्था -वरिष्ठ नागरिक फोरम के गणेश उपाध्याय ने बताया कि इस छ: दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर की मांग कई दिनों से चल रही थी जो अब जाकर पूरी होने जा रही है। प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को हिंदुस्तान के लोग बड़ी निकटता से समझते हैं और इसका व्यापक असर भी जानते हैं इसको देखते हुए जिले के बाहर से भी लोगों के आने की संभावनाएं अधिक है जिनके लिए झाबुआ के अंबा पैलेस में रूकने एवं भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है।

कलेक्टर ने पूसा-16 अरहर कृषक से भेंट कर लाभ के संबंध में की चर्चा

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना ने ग्राम खेड़ी में पूसा-16 अरहर के खेत में भ्रमण कर कृषक मांगीलाल परमार से भेंट कर चर्चा की। कलेक्टर ने पूसा-16 अरहर के लाभ के संबंध में कृषक से विस्तृत चर्चा की। उनके द्वारा बताया गया कि 9 बीघा जमीन उपलब्ध है जिसमें से कुछ क्षेत्र में पूसा-16 अरहर की खेती पिछले वर्ष की गयी थी, उन्होंने बताया कि उनके खेत में 110-120 दिन के भीतर फसल पक गयी। पूसा-16 अरहर का दाना अन्य अरहर के तुलना में बड़ा है। इस वर्ष भी उन्होंने इन्टरक्रोपिंग के माध्यम से पूसा-16 अरहर एवं मक्का की बोआई की है। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा अन्य फसलो जैसे सोयाबीन, चना आदि की कृषि की जाती है। कलेक्टर ने कहा कि आपके पास पर्याप्त जमीन होने के बाद भी परंपरागत कृषि ही ना करे। उसके साथ आमदनी को बढ़ाने के लिए शेडनेट पद्धति से कृषि करें। जिसके माध्यम से सब्जी, शिमला मिर्च, खीरा जैसी फसले ली जा सकती है। कृषक द्वारा रुचि बताये जाने पर कलेक्टर ने सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग बीएस चौहान को शेडनेट के तहत प्रकरण बनाये जाने हेतु निर्देशित किया। साथ ही कलेक्टर द्वारा जे फार्म के संबंध में चर्चा की गयी एवं बताया कि जे फार्म पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया जाकर विभिन्न कृषि उपकरणों एवं यंत्रो को कस्टम हायरिंग सेंटर से सुगमता से किराये पर प्राप्त किया जा सकता है। खाद के विषय में चर्चा करने पर कृषक द्वारा बताया कि उन्होंने सोसायटी से खाद प्राप्त की है एवं नैनो यूरिया का भी प्रयोग किया जा रहा है। इस दौरान जिले के उप संचालक कृषि एनएस रावत, सहायक संचालक उद्यानिकी बीएस चौहान, अनुविभागीय कृषि अधिकारी एलएस चारेल, उप परियोजना संचालक आत्मा एम.एस. धावें, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विजय मोरे और मैदानी अमला उपस्थित था।

कन्या महाविद्यालय में किया पौधारोपण

झाबुआ। स्थानीय शासकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में वन महोत्सव के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ दिनेश कटारा ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन काल में पेड़ अवश्य लगाना चाहिए तभी हम पर्यावरण को संतुलित रख सकते हैं। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ रिद्धि माहेश्वरी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में हम लोग प्रयासरत है। इस अवसर पर डॉ. विद्या चौहान, डॉ. प्रीति समदरिया, लोकेंद्र सिंह झाला, तारा बिलवाल, मुनसिंह परमार, प्रकाश मेड़ा, सरिता भगोरा, जयश्री जोशी, पार्वती हिहोर, रामसिंह गणावा, निर्भयसिंह नायक सहित छात्राओं ने भी पौधे लगाए।

गुरु पूर्णिमा पर व्यास पूजा का आयोजन

झाबुआ। शहर के राजवाडा चौक के निकट स्थित श्री राधाकृष्ण सरकार के यहां पिपलखुंटा धाम के संस्थापक श्री मंहत जमुनादासजी महाराज के प्रथम शिष्य मंहत श्री गोपालदासजी महाराज के चरण पादुका पूजन व महाआरती का आयोजन किया गया। मंहत मनीष बैरागी, अजय बैरागी ने बताया कि गुरु पुनम के पावन पर्व पर प्रात: 9.30 बजे से गुरूदेव श्री गोपालदासजी महाराज की चरण पादुका का पंचामृत से अभिषेक किया जाकर गुरु वंदना के साथ महाआरती का आयोजन वार्ड पार्षद अनिला बैस एवं देविका बैरागी की पावन निश्रा में हुआ जिसमें कविता बैरागी द्वारा गुरु वंदना कर गुरु पूजन के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही निशा बैरागी ने अपने उद्बोधन में गुरु गोपालदासजी के जीवन परिचय से समस्त भक्तों को अवगत कराया। मनीषा जोशी ने गुरूदेव के साथ बिताए आठ वर्षों की तपस्या, त्याग और दैनिक दिनचर्या पर संबोधित किया।

मृत मोरों की जांच हेतु दल का किया गठन

झाबुआ। उप वनमंडलाधिकारी सुनिल सुलिया ने बताया कि 9 जुलाई को वन परिक्षेत्र थांदला की बीट ढेबर बडी के कक्ष क्र. 7 आरक्षित वन में शाम लगभग 7 बजे ग्रामीणों से सूचना प्राप्त हुई की ढेबर बडी के राजस्व क्षेत्र खेतों से लगे वन क्षेत्र में जगह-जगह 12 मोर (9 मादा, 2 नर, 1 जीवित नर) पाये गये है। सूचना प्राप्त होते ही वन अमला लगभग 7:30 बजे पहुंचकर मृत मिले मोरो का स्थल निरीक्षण कर एक जगह रोड पर एकत्र कर प्रकरण लापता में कायम किया गया। मौके पर अधिकारीगण द्वारा लगभग 10 बजे पहुंचकर मौका मुआयना कर समस्त मोरो को शासकीय वाहन से वन क्षेत्र ढेबर बडी से शव परीक्षण हेतु वन परिसर मेघनगर में लाकर सुरक्षित कमरे में रखा गया। 10 जुलाई को सुबह जिलाशल्य पशु चिकित्सक झाबुआ के दल द्वारा वन परिसर मेघनगर में नियमानुसार अधिकारियो एवं जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 11 मृत मोरो का शव विच्छेदन कर विसरा एकत्र करवाया गया जिससे जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जावे। घटना स्थल की विस्तृत जांच हेतु वनमंडलाधिकारी झाबुआ द्वारा दल का गठन किया गया। जिसकी जांच उपरांत आगामी कार्यवाही की जायेगी। वन्यप्राणी मोर (राष्ट्रीय पक्षी) वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची- में होने के कारण मृत मोरो के शवों का विनिष्टीकरण न्यायालय थांदला की अनुमति उपरांत नियमानुसार जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थित में समस्त 11 मोरो के शव का सहसम्मान दाह संस्कार वन परिसर मेघनगर में किया गया।

गुरु पूर्णिमा गुरूपूर्णिमा पर 10 जुलाई को प्रात :काल साईनाथ भगवान की काकड़ आरती, महाभिषेक के साथ दोपहर में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ।

साई मंदिर पर हुआ त्रि-दिवसीय गुरूपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

झाबुआ। शहर के डीआरपी लाईन स्थित साई मंदिर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष 18वां त्रि-दिवसीय गुरूपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया गया। गुरूपूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष में पूरे मंदिर एवं परिसर में विशेष रूप से साज-सज्जा की गई। गुरूपूर्णिमा पर 10 जुलाई को प्रात:काल साईनाथ भगवान की काकड़ आरती, महाभिषेक के साथ दोपहर में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जिसका हजारों भक्तों ने लाभ लिया। सभी आयोजन युवा साई सेवा समिति की और से किए गए। समिति सदस्य दिलीप कुशवाह ने बताया कि त्रि-दिवसीय महोत्सव के प्रथम दिन 8 जुलाई को सुबह गणेश पूजन एवं सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन हुआ। शाम 7.30 बजे से साईनाथ भगवान की आरती की गई। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन

गुरूपूर्णिमा पर 10 जुलाई को प्रात:काल साईनाथ भगवान की काकड़ आरती, महाभिषेक के साथ दोपहर में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। रहे। 9 जुलाई को मंदिर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम रखा गया। जिसमें मंदिर प्रांगण में निर्मित बगीचे में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। रात्रि में संगीतमय सुंदरकांड का पाठ का आयोजन हुआ। पाठ के दौरान भगवान के समधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिस पर भक्तजनों ने नृत्य भी किया। 10 जुलाई को अलसुबह 5.30 बजे साईनाथ भगवान की कांकड़ आरती में बड़ी संख्या में शहर के श्रद्धालुजनों की उपस्थिति रहीं। जिसके बाद भगवान का महाभिषेक कर श्रृंगार किया गया। भगवान का मनमोहक श्रृंगार भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पूरे मंदिर को पुष्पमालाओं से सजाने के साथ रात्रि में आकर्षक विद्युत सज्जा भी की गई। सुबह 7 बजे साईनाथ महाराज की मंगला आरती कर दोपहर 11 बजे से मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन शुरू हुआ। भंडारे में महिला एवं पुरूष वर्ग दोनो के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई। भंडारे का शहर सहित आसपास के ग्रामीण अचंलों से हजारों भक्तों ने लाभ लिया। भंडारा शाम करीब 5 बजे

आई लव साई का लोगो लगाया

समिति सदस्य दिलीप कुशवाह ने बताया कि गुरूपूर्णिमा के उपलक्ष में विशेष रूप से मंदिर के बाहर 'आई लव साई' का लोगो लगाया गया। यह लोगों दाहोद (गुजरात) से बुलवाया गया। जिसकी सज्जा स्थानीय कलाकारों द्वारा की गई। त्रि-दिवसीय आयोजन को लेकर युवा साई सेवा समिति द्वारा विशेष तैयारियां की गई। मंदिर परिसर में समिति से जुड़े दिवंगत सदस्यों की तस्वीर लगाकर उन्हें भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।